समुद्रीतट के क्षरण की जानकारी है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त राज्य में समुद्रीतट के क्षरण से भूमि को होने वाला अनुमानित वार्षिक नुकसान कितना है;

(ग) बढ़ते हुए समुद्रीतट के क्षरण को रोकने के लिए सरकार ने पिछले तीन वर्षों में कितनी धनराशि खर्च की; और

(घ) इसमें सरकार को कितनी सफलता मिली और उठाए जा रहे प्रभावी कदमों का ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थंगन) : (क) और (ख) छोटे पाकेटों पर मुहाने से निकलने वाली नदियों जैसे घोघा, भागवा डुमस, दोनो कनाई, कोलक तथा अम्बरगांव में होने वाले कटाव का कारण ज्वार का आना है, विशेषतया जबकि नदियों में बाढ़ आई हो। बलसाड जिले के नानी दांती, मोती दांती और उड़ावडा तालुक तथा ओखा पत्तन के निकट गोमती घाट पर तटीय कटाव देखा गया है। राज्य द्वारा मृदा कटाव के कारण हुई भूमि की हानि की मात्रा की सूचना नहीं दी गई है। तथा केन्द्र में इसका संकलन नहीं किया जाता है।

(ग) उऔर (घ) तटीय कटाव से सुरक्षा की जिम्मेवारी राज्य सरकार की है। गुजरात सरकार ने बलसाड, सूरत और भारूच जिलों में समुद्र कटाव रोधी कार्यों के लिए एक मास्टर योजना तैयार की है। मास्टर योजना में उन 28 स्थलों का पता लगाया गया है जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। इसके अलावा राज्य सरकार ने बलसाड जिले के नानी दांती तथा मोती दांती तालुकों में तटीय कटाव से सुरक्षा प्रदान करने के लिए 6.6 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत की एक योजना तैयार की है।

गुजरात में सौर ऊर्जा पर आधारित प्रायोगिक परियोजना

651. **श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार गुजरात के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में सौर-ऊर्जा पर आधारित लघु सिंचाई और जल आपूर्ति के लिए प्रायोगिक परियोजना को शुरू करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इन परियोजनाओं को विदेशी सहयोग से शुरू करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो उस देश का नाम क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थंगन) : (क) जी, नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते।

गुजरात सरकार द्वारा विशेष अनुदान का अनुरोध

352. **श्री कनक सिंह भोहन सिंहभंगरोला** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चालू वर्ष में भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए गुजरात सरकार ने केन्द्र सरकार से विशेष अनुदान के लिए कोई अनुरोध किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो कब और उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) केन्द्र सरकार द्वारा अब तक उस पर क्या कार्यवाही की गई, इसी अवधि के दौरान कितनी सहायता प्रदान की गई और आगे कितनी और सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है ?

शहरी विकास मंत्रालय तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थंगन) : (क) और (ख) गुजरात सरकार से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है जिसमें हाल की बाढ़ से प्रभावित हुए क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास के लिए

303.00 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता की मांग की गई है।

(ग) विद्यमान योजना के अन्तर्गत प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए राहत और पुनर्वास उपाय शुरू करने के लिए प्रत्येक राज्य के वास्ते एक आपदा राहत कोष बनाया गया है। गुजरात का वार्षिक आपदा राहत कोष 85.00 करोड़ रुपए है जिसमें केन्द्र का अंशदान 63.75 करोड़ रुपए तथा राज्य का अंशदान 21.25 करोड़ रुपए है। गुजरात सरकार को वर्ष 1994-95 के लिए आपदा राहत कोष सम्पूर्ण केन्द्रीय हिस्सा निर्मुक्त कर दिया गया है।

सरदार सरोवर परियोजना का निर्माण कार्य

653. **श्री अनन्तराव देवशंकर दवे** : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्र सरकार की ओर से सरदार सरोवर परियोजना पर चल रहे निर्माण कार्य की कोई समीक्षा की गई है ;

(ख) यदि हां, तो अब तक इस निर्माण कार्य की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस परियोजना को कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

शहरी विकास मंत्रालय तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (पी० के० थुंगन) : (क) नर्मदा जल विवाद अधिकरण पंचाट के प्रावधानों के तहत गठित नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण तथा सरदार सरोवर निर्माण सलाहकार समिति सरदार सरोवर परियोजना के निर्माण कार्य की प्रगति की आवधिक समीक्षा कर रहे हैं।

(ख) और (ग) विवरण संलग्न है।

विवरण

सरदार सरोवर परियोजना के निर्माण में प्रगति

क. 30-6-1994 तक की स्थिति के अनसार भौतिक प्रगति

I. बांध तथा बिजली घर :

क्र. सं.	घटक	खुदाई %	कंक्रीटिंग %	ड्रिलिंग %
1	मुख्य बांध	85.59	67.27	75.28
2	नदी तल विद्युत बिजली घर	91.24 (खुला) 83.62 (भूमिगत)		
3	नहरशीर्ष बिजली घर	पूर्णता पर	93.00	
4	साइफन सैडल बांध	पूर्ण	पूर्ण होने वाला है	

II नहरें तथा वितरण प्रणाली :

नर्मदा मुख्य नहर की 0-144 कि.मी. तक की पहुंच का निर्माण कार्य कुल लंबाई को खण्डों में विभाजित कर प्रगति पर है। नर्मदा मुख्य नहर की 236.58 से 263.165